कथा सरिता

परिवारिक सम्बन्ध अपने...

एक पार्क में दो बुज़ूर्ग बैठे बातें कर रहे थे.... पहला:- मेरी एक पोती है, शादी के लायक है, बी.ई. किया है, नौकरी करती है, कद - 5"2 इंच है..सुंदर है। कोई लड़का नज़र में हो तो बताइएगा..।

दूसरा:- आपकी पोती को किस तरह का परिवार चाहिए...??

पहला :- कुछ खास नहीं.. बस लड़का एम.ई/एम.टेक. किया हो, अपना घर हो, कार हो, घर में ए.सी. हो, अपना बाग बगीचा हो, अच्छी जॉब, अच्छी सैलरी, कोई लाख रू. तक हो...।

दूसरा :- और कुछ...?

पहला :- हाँ सबसे ज़रूरी बात.. वो अकेला होना चाहिए, माँ-बाप, भाई-बहन नहीं होने चाहिए..वो क्या है..लड़ाई झगड़े होते हैं...ना।

दूसरे बुज़ूर्ग की आँखें भर आई, फिर आँसू पोछते हुए बोला - मेरे एक दोस्त का पोता है, उसके भाई-बहन नहीं हैं, माँ बाप एक दुर्घटना में चल बसे, अच्छी नौकरी है, डेढ़ लाख सैलरी है, गाड़ी है, बंगला है, नौकर-चाकर हैं..।

पहला :- तो करवाओ ना रिश्ता पक्का..।

दूसरा :- मगर उस लड़के की भी यही शर्त है कि लड़की के भी माँ-बाप, भाई-बहन या कोई रिश्तेदार ना हों..., कहते कहते उनका गला भर आया..। फिर बोले :- अगर आपका परिवार आत्महत्या कर ले तो बात बन सकती है..। आपकी पोती की शादी उससे हो जाएगी और वो बहुत सुखी रहेगी....।

पहला :- ये क्या बकवास है, हमारा परिवार क्यों करे आत्महत्या..? कल को उसकी खुशियों में, दु:ख में कौन उसके साथ व उसके पास होगा...? दूसरा :- वाह मेरे दोस्त, खुद का परिवार, परिवार है और दूसरे का कुछ नहीं...। मेरे दोस्त! अपने बच्चों को परिवार का महत्व समझाओ, घर के बड़े, घर के छोटे सभी अपनों के लिए ज़रूरी होते हैं... वरना इंसान खुशियों का, और गम का महत्व ही भूल जाएगा, ज़िंदगी नीरस बन जाएगी...।

पहले वाले बुज़ूर्ग बेहद शर्मींदगी के कारण कुछ नहीं बोल पाए... दोस्तों, परिवार है तो जीवन में हर खुशी, खुशी लगती है, अगर परिवार नहीं तो किससे अपनी खुशियाँ और गम बाँटोगे...!

ज़िन्दगी के बाद भी...

एक बार एक महात्मा जी बीच बाज़ार में से कहीं जा रहे थे। वहीं पास के एक कोठे की छत पर एक वैश्या पान खा रही थी। अचानक बेख्याली से उसने पान की पीक नीचे थूकी, और वो पीक नीचे जा रहे महात्मा जी के ऊपर गिरी।

महात्मा जी ने ऊपर देखा वैश्या की ओर तथा मुस्करा कर आगे की और बढ़ गए। यह देखकर वैश्या को अपना अपमान समझ गुस्सा आया, तो उसने वहीं पर बैठे अपने दोस्त को कहा कि तुम्हारे होते कोई मुझे देखकर मुस्कुरा रहा है और तुम यहाँ बैठे हो! इतना सुनकर उसके दोस्त ने वहीं पड़ा डंडा उठाया और नीचे उतरकर आगे जा रहे महात्मा जी के सर पर ज़ोर से दे मारा, और वैश्या की तरफ देखकर मुस्कुराया कि देख मैंने बदला ले लिया है।

तभी महात्मा जी ने अपना सर देखा जिसमें से खून निकल रहा था। तब भी महात्मा जी कुछ नहीं बोले और मुस्करा दिए और वहीं पास के एक पेड़ के नीचे बैठ गए। उस वैश्या का दोस्त मुस्कराता हुआ वापस लौटने लगा। जब वो कोठे की सीढ़ियां चढ़ रहा था तो सबसे ऊपर की सीढ़ी से उसका पैर फिसला और वो सबसे नीचे आ गिरा और उसको बहुत ज़्यादा चोट लगी। ये सब वो वैश्या देख रही थी। वो समझ गई कि वो महात्मा जी एक सच्चे साधक हैं।

वो नीचे आई और महात्मा जी के पास जाकर पैरो में गिरकर बोली कि, महात्मा जी मुझे माफ़ कर दो, मैंने ही आपके पीछे अपने दोस्त को भेजा था। उसने ही आपके सर पर वार किया था। मुझे माफ़ कर दो। तो उन महात्मा जी ने मुस्करा कर कहा, बेटी इस सारे झगड़े में तू और मैं कहाँ से आ गए!

इसमें तुम्हारा और मेरा कोई दोष नहीं है। ये दोस्त-दोस्त की लड़ाई है। तुम्हारे दोस्त से तुम्हारी बेइज़्ज़ती नहीं देखी गई, और जो मेरा दोस्त है, उससे मेरी तकलीफ नहीं देखी गई। इसलिए इसमें तुम्हारा कोई दोष नहीं है।

तुम्हारा दोस्त तो तुम्हारे पास कभी कभी ही आता है, कभी दिन में कभी रात में। लेकिन मेरा दोस्त हर वक़्त मेरे साथ ही रहता है। इसलिए तुम भी उसी की शरण लो जो हर वक़्त तुम्हारे साथ ही रहे...

ज़िन्दगी में भी और जिन्दगी के बाद भी।

फिलीपिन्स। वाइस प्रेसीडेंट लियोनोरा जी.रोब्रेडो को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.वेदांती दीदी।

नोएडा-से.33। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मंजू।

दिल्ली-स्वास्थ्य विहार। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात प्रदान करते हुए ब्र.कु. उर्मिला।

जयपुर-राजा पार्क। होम मिनिस्टर गुलाबचन्द कटारिया को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सन्नूसिया। साथ हैं ब्र.कु. दीपिका।

टूडंला-उ.प्र.। मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.विजय बहन। साथ हैं ब्र.कु. तनु व ब्र.कु.खुशी।

सोनीपत-हरियाणा। सांसद रमेश चंद्र कौशिक को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.सुनिता।

बीरगंज-नेपाल। सांसद बलबीर चौधरी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रबीना।

ब्रह्मपुर-ओडिशा। घनश्याम उपाध्याय,आई.पी.एस.,आई.जी. को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू।

न्यूज़ीलैण्ड। रूथ डायसन लेबर एम.पी. को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.भावना।

दिल्ली-राजौरी गार्डन। वेद प्रकाश शर्मा,बैंक मैनेजर,स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.शक्ति।

मुगलसराय-बिहार। अपर मण्डल रेल प्रबंधक मुकेश मलहोत्रा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सरोज। साथ हैं ब्र.कु. अनिता।

दिल्ली-लोधी रोड। आलोक कुमार वर्मा,आई.पी.एस., डायरेक्टर,सी.बी.आई. को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गिरिजा।

चरखी दादरी-हरियाणा। डेप्युटी कमिश्नर विजय कुमार सिदप्पा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रेमलता।

बाढ़-बिहार। जी.जी.एम.,एन.टी.पी.सी. को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. ज्योति।

पिहानी चुंगी-हरदोई(उ.प्र.)। पुलिस कप्तान को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु.मालती।